दाँत विकास और विस्फोट के एटलस (लंदन एटलस)

Dr. Sakher J. AlQahtani©

○ एक माह के मध्य
✦ दो सप्ताह के मध्य
● ३ माह के मध्य
इसके बाद एक वर्ष के मध्य
ठोस रेखाए वायुकोशीय हड्डी स्तर का प्रतिनिधित्व करते हैं
दाँतो के बीच अंतर स्पष्टता के लिए दिया गया है

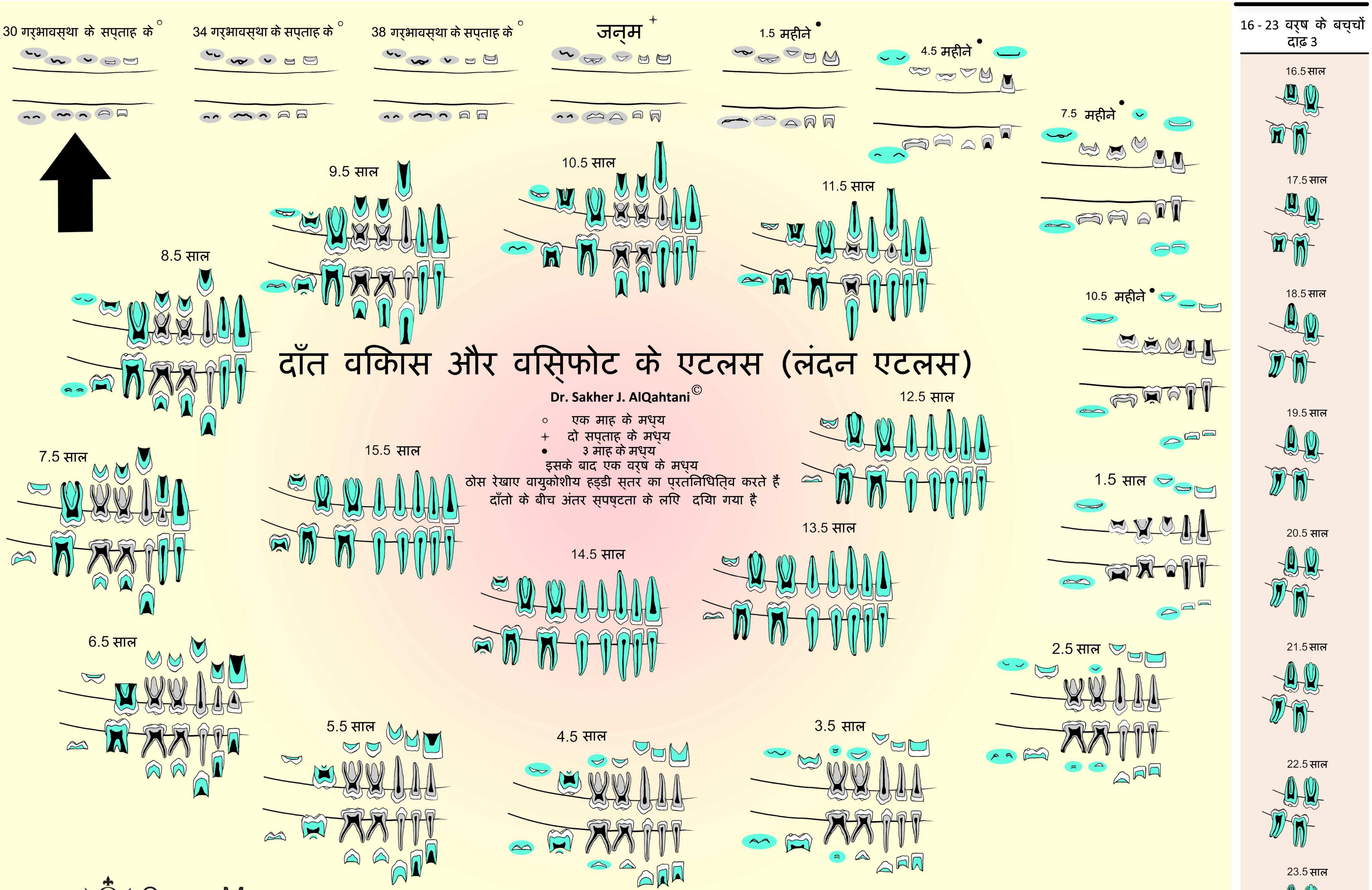

Queen Mary
University of London
लंदन के क्वीन मैरी विश्वविद्यालय
Barts और चिकित्सा और दंत चिकित्सा के लंदन स्कूल
http://www.dentistry.qmul.ac.uk/

Dr. Sakher J. AlQahtani© मार्च २००९
सभी अधिकार सुरक्षित हैं

लेखक उच्च शिक्षा मंत्रालय, सऊदी अरेबिआ
की आर्थिक सहायता के लीये धन्यवाद करना चाहते हैं

ईसका उपयोग या पुनरुत्पादन लेखक के साथ
लिखित व्यवस्था द्वारा ही किया जा सकता है
लेखक इसके द्वारा अपने नैतिक अधिकारों का दावा करता है

मूररीस के चरणों का वर्णन(१९६३) जिसका उपयोग एक जड़ के दाँत के विकास के चरणों की पहचान करने के लिये किया जता है

	Ci: प्रारंभिक दंतशिखर का बनना			Ri: जड़ का फैले किनारों के साथ प्रारंभिक निर्माण होना
	Cco: दन्तशिखरो का सम्मिलन			R १/४ : जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई से कम
	Coc : दंतशिखर का ढांचा पूरा तैयार			R१/२: जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई के बराबर
	Cr १/२: दन्त मुकुट दंतधातु के साथ आधा तैयार			R ३/४: फैले हुए अंतिम भाग के साथ जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई से अधिक (जड़ की लंबाई तीन तिमिही विकसित)
	Cr ३/४: दन्त मुकुट तीन तिमिही पूरा			Rc: समानांतर अंतिम भाग के साथ जड़ की लंबाई पूरी तैयार
	Crc: दन्त मुकुट परिभाषित दंत - मज्जा की छत के साथ पूरा तैयार			A १/२: जड़ चौड़ै पड़ळ के साथ समाप्त होती है
				Ac: जड़ के अंतिम भाग का सामान्य पड़ळ चौड़ाई के साथ बंद होना

मूररीस के चरणों का विवरण (१९६३) जिसका उपयोग बहु जड़ दाँत के विकास के चरणों की पहचान करने के लिये किया जता है

	Ci: प्रारंभिक दंतशिखर का बनना			
	Cco: दन्तशिखरो का सम्मिलन			R १/४ : जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई से कम होने के साथ जड़ का दो शाखाओं में बटना दिखाई
	Coc: दंतशिखर का ढांचा पूरा तैयार			R १/२: जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई के बराबर
	Cr १/२: दन्त मुकुट दंतधातु के साथ आधा तैयार			R ३/४: फैले हुए अंतिम भाग के साथ जड़ की लंबाई मुकुट की लंबाई से अधिक (जड़ की लंबाई तीन तिमिही विकसित)
	Cr ३/४: दन्त मुकुट तीन तिमिही पूरा			Rc: समानांतर अंतिम भाग के साथ जड़ की लंबाई पूरी तैयार
	Crc: दन्त मुकुट परिभाषित दंत - मज्जा की छत के साथ पूरा तैयार			A १/२: जड़ के अंतिम भाग का (एकाग्र जड़ समाप्त)चौड़ै पड़ळ के साथ समाप्त होना
	Ri: जड़ का फैले किनारों के साथ प्रारंभिक निर्माण होना			Ac: जड़ के अंतिम भाग का सामान्य पड़ळ चौड़ाई के साथ बंद होना

मूररीस के चरणों का विवरण (१९६३) जिसका उपयोग एक ऐवम बहु जड़ दाँत की जड़ अवशोषण के चरणों की पहचान करने के लिये किया जता है

	Ac: जड़ के अंतिम भाग का सामान्य पड़ळ चौड़ाई के साथ बंद होना	
	Res१/४ : जड़ के अग्रस्थ तिमाही के अवशोषण	
	Res१/२: आधी जड़ का अवशोषण	
	Res३/४: जड़ की तीन तिमिही का अवशोषण	

संशोधित बेनगस्ट्न के चरणों का वर्णन जिसका उपयोग वायुकोशीय से दांत के निकळने की पहचान करने के लिये किया जता है

	अवस्था १: जब दांत की उपरी सतह पूरी तरह हड्डी द्वारा ढकी हो	
	अवस्था २: जब दांत की उपरी सतह, वायुकोशीय हड्डी(जबड़े की हड्डी) कि उपरी सतह को काट के निकलती हो	
	अवस्था ३: जब दांत की उपरी सतह वायुकोशीय हड्डी (जबड़े की हड्डी) कि उपरी सतह और दान्तो के उपरी स्तर के बीच मे हो	
	अवस्था ४: जब दांत की उपरी सतह दान्तो के स्तर पे हो	

Queen Mary
University of London
क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ओफ ळन्डन
बार्ट्स ऐन्ड द ळन्डन स्कूल ओफ मेडिसिन एन्ड डेन्टिस्ट्री
http://www.dentistry.qmul.ac.uk/